बालभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – चतुर्थ **दिनांक -26 - 11- 2020**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज व्यंजन के बारे में अध्ययन करेंगे ।

व्यंजन - व्यंजन के भेद

जिन वर्णों का उच्चारण स्वरों की सहायता से किया जाए तथा हवा कंठ से निकल कर, मुँह में रुककर बाहर आए, उन्हें व्यंजन कहते हैं | हिंदी में मूल व्यंजन 33 है |

व्यंजन के भेद

1. स्पर्श व्यंजन
2. अंतस्थ व्यंजन
3. ऊष्म व्यंजन

1. स्पर्श व्यंजन→

जिन व्यंजनों का उच्चारण करते समय हवा कंठ, तालु, मूर्धा, दाँत या ओठो का स्पर्श करके मुख से बाहर आती है, उन्हें स्पर्श व्यंजन कहते हैं |

→ स्पर्श व्यंजन 25 होते हैं (क् से म्) तक

→ स्पर्श व्यंजन को पाँच भागों में बाँटा जा सकता है -

स्पर्श व्यंजन हैं -

कवर्ग क ख ग घ ङ

चवर्ग च छ ज झ ञ

टवर्ग ट ठ ड ढ ण

तवर्ग त थ द ध न

पवर्ग प फ ब भ म

2. अंतस्थ व्यंजन → जिन व्यंजनों का उच्चारण स्वरों और व्यंजनों के मध्य का होता है, उन्हें अंतःस्थ व्यंजन कहते हैं |
अंतस्थ व्यंजन चार हैं - य र ल व

3. ऊष्म व्यंजन → जिन व्यंजनों का उच्चारण करते समय हवा मुँह में टकराकर ऊष्म (गर्मी) पैदा करती है, उन्हें ऊष्म व्यंजन कहते हैं |
ऊष्म व्यंजन भी चार हैं - श ष स ह